तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय

डोगरा लाईन्स, मेरठ कैन्ट

KENDRIYA VIDYALAYA

Dogra Lines, Meerut Cantt.

विद्यार्थी दैनन्दिनी
STUDENT'S DIARY
2019-20

टिप्पणी : (1) विद्यार्थी इस डायरी को प्रतिदिन विद्यालय में लाएँ।
(2) कृपया अभिभावकगण इस डायरी की बराबर जाँच करें।

Note : (I) This is to be brought to the school daily.
(II) Parents are requested to check this diary regularly.

Ph. No. :- 0121-2643266, 2657337
E-mail : kvdl_meerut@rediffmail.com

Design n Print@NP#9837229878, 9412781858

ABRAHAM LINCON'S LETTER TO HIS SON'S TEACHER .....

- He will have to learn, I know, that all men are not true. But teach him also that for every Scoundrel there is a hero, that for every crooked politician, there is a dedicated leader.
- Teach him that for every enemy there is a friend.
- Teach him that ten earned is of far more value than a dollar.
- Teach him to learn to lose and also enjoy winning. Steer him away from envy if you can.
- Teach him the secret of quiet laughter.
- Teach him the wonders of books, but also give him time to ponder the eternal mystery of birds in the sky, bees in the sun, and flowers on a green hill.
- In school, teach him to know that it is more honourable to fail than to cheat.
- Teach him to have faith in his own ideas, even if everyone tells him they are wrong. Teach his to be gentle with gentle people and tough with tough people.
- Try to give him the strength on the bandwagon.
- Teach him to listen to everyone but teach him also to filter all he hears on a screen of truth and take only the good that comes through.
- Teach him how to laugh even when he is sad.
- Teach him there is no shame in tears.
- Teach him to close his ears to a howling mob and to stand and fight if he thinks he is right.
- Treat him gently but do not cuddle him because only the test of fire makes fine steel.
- Let him have the courage to be impatient and let him have the patience to be brave.
- Teach him always to have sublime in God himself too, because then he will always have sublime faith in mankind.....

संदेश

'विद्यालय दैनन्दिनी' जहाँ विद्यालय की गतिविधियों का दर्पण है, वहाँ विद्यालय और अभिभावक के मध्य परस्पर सम्बन्ध का माध्यम भी है। आज के व्यस्ततम जीवन में माता-पिता अपने बच्चों की दैनिक प्रगति को दैनन्दिनी के माध्यम से आसानी से अवलोकित कर सकते हैं। हमें आशा है कि अभिभावक बच्चों की दैनन्दिनी नियमित रूप से देखने के अभ्यस्त होंगे और यही प्रवृत्ति अध्यापकों तथा अभिभावकों के श्रेष्ठ संबंधों की सहायक कड़ी होगी।

हम आशा करते हैं कि अभिभावक बच्चों को अपनी दैनन्दिनी सदैव अपने साथ रखने के लिए प्रोत्साहित करते रहेंगे। हम शुभकामनाओं सहित प्रयत्नशील हैं कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य में हम और आप सफल हों। यह दैनन्दिनी इसी प्रयत्न की एक सांकेतिक इकाई है।

-प्राचार्य

MESSAGE

Dear Children,

The School Diary is being provided to you for maximum use of it. The main aim of introducing the student's Diary is to make you acquire the habits of doing planned work and study regularly.

You should bring this diary daily to school to note down the instructions given by your teachers regarding home work, reading/ writing and other assignments. This diary contains useful information which you should use for day to day work.

-Principal

हम भारत के लोग, भारत को .....

भारत के संविधान का निर्माण और अधिनियम भारत के लोगों ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से किया है न कि इसे किसी राजा या बाहरी आदमी ने उन्हें दिया है।

समाजवादी

समाज में संपदा सामूहिक रूप से पैदा होती है और समाज में उसका बँटवारा समानता के साथ होना चाहिए। सरकार जमीन और उद्योग-धंधों की हकदारी से जुड़े कायदे-कानून इस तरह बनाए कि सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ कम हों।

प्रभुत्व–संपन्न

लोगों को अपने से जुड़े हर मामले में फैसला करने का सर्वोच्च अधिकार है। कोई भी बाहरी शक्ति भारत की सरकार को आदेश नहीं दे सकती।

पंथ–निरपेक्ष

नागरिकों को किसी भी धर्म को मानने की पूरी स्वंत्रता है। लेकिन कोई धर्म आधिकारिक नहीं है। सरकार सभी धार्मिक मान्यताओं और आचरणों को समान सम्मान देती है।

गणराज्य

शासन का प्रमुख लोगों द्वारा चुना हुआ व्यक्ति होगा न कि किसी वंश या राज-खानदान का।

भारत का संविधान
उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण
प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी,
पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक
गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:
सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की
स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता,**
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित
करने वाली
बंधुता बढ़ाने के लिए
दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में
आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई.
(मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी)
को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और
आत्मार्पित करते हैं।

लोकतंत्रात्मक

सरकार का एक ऐसा स्वरूप जिसमें लोगों को समान राजनैतिक अधिकार प्राप्त रहते हैं, लोग अपने शासन का चुनाव करते हैं और उसे जवाबदेह बनाते है। यह सरकार कुछ बुनियादी नियमों के अनुरूप चलती है।

न्याय

नागरिकों के साथ उनकी जाति, धर्म और लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता।

स्वतंत्रता

नागरिक कैसे सोचें किस तरह अपने विचारों को अभिव्यक्त करें और आपने विचारों पर किस तरह अमल करें, इस पर कोई अनुचित पाबंदी नहीं है।

समता

कानून के समक्ष सभी लोग समान हैं। पहले से चली आ रही सामाजिक असमानताओं को समाप्त होना होगा। सरकार हर नागरिक को समान अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था करें।

बंधुता

हम सभी ऐसा आचरण करें जैसे कि हम एक परिवार के सदस्य हों। कोई भी नागरिक किसी दूसरे नागरिक को अपने से कमतर न माने।

भारत का संविधान
उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराजय] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की स्वतंत्रता,

प्रतिष्ठा और अवसर की समता

प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में, व्यक्ति की गरिमा और [राष्ट्र की एकता और अखण्डता] सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977) से "प्रभुत्व संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977) से "राष्ट्र की एकता" के सीन पर प्रतिस्थापित।

भारत : 4 क [मूल कर्त्तव्य]

51 क. मूल कर्त्तव्य - भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य होगा कि वह-

(क) संविधान का पालन करें और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वय और राष्ट्रगान का आदर करें;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हदय में संजोए रखें और उनका पालन करें;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण रखें;

(घ) देश की रक्षा करें और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करें;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी से परे हों, ऐसी प्रथाओं का त्याग करें जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;

(च) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परीक्षण करें;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करें और उसका संवर्धन करें तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखें;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखें और हिंसा से दूर रहे;

(ड) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करें जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाईयों को छू ले।

THE CONSTITUTION OF INDIA
PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a SOVEREIGN SOCIALIST DEMOCRATIC REPUBLIC and to secure to all its citizens :

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity, and to promote among them all;

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the unity and integrity of the Nation ;

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November,1949 do HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.

THE CONSTITUTION OF INDIA
CHAPTER IV A - FUNDAMENTAL DUTIES

ARTICLE 51-A

Fundamental Duties : It shall be the duty of every citizen of India :

(a) To abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem ;

(b) To cherish and follow the noble ideals which inspired our National Struggle for Freedom ;

(c) To uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India ;

(d) To defend the country and render National Service when called upon to do so ;

(e) To promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India, transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women ;

(f) To value and preserve the rich heritage of our composite culture ;

(g) To protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers, wild life and to have compassion for living creatures ;

(h) To develop the Scientific temper, Humanism and the Spirit of inquiry and reform ;

(i) To safeguard public property and to abjure violence ;

(j) To strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement.

छात्र प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी/भाई-बहन हैं। हमें अपना देश/प्राणों से भी प्यारा है।/इसकी समृद्धि/और विविध संस्कृति पर/हमें गर्व है।/हम इसके/सुयोग्य अधिकारी/ बनने का प्रयत्न /सदा करते रहेंगे /हम अपने माता-पिता/ शिक्षकों/ और गुरुजनों का आदर करेंगे/ और सबके साथ शिष्टता का/ व्यवहार करेंगे/ हम अपने देश/ और देशवासियों के प्रति/ निष्ठावान रहने की प्रतिज्ञा करते हैं उनके कल्याण/ और समृद्धि में ही/ हमारा सुख निहित है।

जय हिन्द !

छात्रा प्रतिज्ञा (संस्कृत में)

भारतम् अस्माकं देश:।/ वयं सर्वे भारतीया:/ परस्परं भ्रातर भगिन्यश्च।/ अस्माकं देश:/ प्राणेभ्योऽपि प्रियतर: अस्ति।/ अस्य समृद्धौ,/ विविधसंस्कृतौ च/ वयं गौरवम् अनुभवाम:। वयं अस्य सुयोग्या: अधिकारिणो भवितुं सदा प्रयत्नं करिष्याम:।/ वयं स्वमातपित्रो:। शिक्षकाणां गुरुजनानां च/ आदरं करिष्याम:।/ सर्वै: च सह/ शिष्टतया व्यवहारं करिष्याम:/ वयं स्वदेशं देशवासिन: च प्रति/ विश्वासभाज: भवेम।/ तेषां कल्याणे/, समृद्धौ च/ अस्माकं सुखं/ निहितम् अस्ति।

जयतु भारतम् !

Student's Pledge

India is my country/ and all Indians are/ my brothers and sisters./ I love my country/ and I am/ proud of its/ rich and varied heritage./ I shall always, strive to be/ worthy of it./ I shall pay respect/ to my parents/ teachers/ class-mates and all elders/ and treat every one/ with courtesy./ To my country/ and my people I pledge my devotion/. In their well-being/ and prosperity alone/ lies my happiness.

Jai Hind !

के0 वि0 सं0 स्थापना दिवस
15 दिसम्बर संकल्प

हम, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के सदस्य, भारत को एक सुदृढ़ और समृद्ध राष्ट्र बनाने हेतु निःस्वार्थ भाव से कार्य करने की शपथ लेते हैं। देश को उन्नति के चरम शिखर पर प्रतिष्ठित करने के लिए हम सत्यनिष्ठा से अपने कर्त्तव्यों का पालन करेंगे। अपने कार्यों एवं सेवाभाव द्वारा देशवासियों के हृदय में देशभक्ति तथा सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के प्रति श्रद्धा भाव उत्पन्न करने की शपथ लेते हैं। आज केन्द्रीय विद्यालय संगठन के स्थापना दिवस पर हम देश और देशवासियों के विकास और उत्थान हेतु सुंपूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करने का दुढ़ संकल्प करते हैं।

KVS FOUNDATION DAY
15th DECEMBER PLEDGE

WE, THE MEMBERS OF KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, SOLEMNLY PLEDGE TO WORK SELFLESSLY TO WARDS MAKING INDIA A STRONG AND PROSPEROUS NATION; WE SHALL DISCHARGE OUR DUTIES CONSCIENTIOUSLY TO TAKE OUR COUNTRY TO GREATER HEIGHTS OF SPARKLING ACHIEVEMENTS. WE PLEDGE TO INCULCATE PATRIOTISM AS WELL AS CULTURAL AND ETHICAL VALUES AMONG OUR COUNTRYMEN THROUGH OUR SERVICES AND ACTIONS. ON KVS FOUNDATION DAY, TODAY, WE COMMIT OURSELVES WITH DEDICATION AND DEVOTION TOWARDS THE DETTERMENT AND DEVELOPMENT OF OUR COUNTRY AND COUNTRYMEN.

विद्यालय प्रार्थना

ॐ असतो मा सद्गमय !
तमसो मा ज्योतिर्गमय !!
मृत्योर्माऽमृतम् गमय !!!

दया कर दान विद्या का हमें परमात्मा देना,
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना।

1. हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ,
अंधेरे दिल में आ करके, परम ज्योति जगा देना।

2. बहा दो ज्ञान की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर
हमें आपस में मिल-जुलकर प्रभु रहना सिखा देना।

3. हमारा कर्म हो सेवा, हमारा धर्म हो सेवा,
सदा ईमान हो सेवा, व सेवक जन बना देना।

4. वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना।
वतन पर जाँ फिदा करना, प्रभु हमको सिखा देना।

प्रार्थना मंत्र एवं अर्थ

ॐ असतो मा सद्गमय	:	हे भगवान! मुझे असत्य से सत्य की ओर ले जाएँ।
तमसो मा ज्योतिर्गमय	:	मुझे अंधकार से हटाकर प्रकाश कराएँ अर्थात् अज्ञान से हटाकर ज्ञान की ओर ले जाएँ।
मृत्योर्माऽमृतं गमय	:	मृत्यु से हटाकर अमरत्व को प्राप्त कराएँ।
ॐ सह नाववतु	:	यह अध्ययन-अध्यापन (पढ़ाई) हम दोनों को अर्थात्

गुरु और शिष्य को बुरी भावनाओं और बुरे कार्यों से हटाकर एक- साथ ज्ञान-प्राप्ति कराएँ।

सह नौ भुनक्तु	:	हम दोनों (गुरु और शिष्य) साथ-साथ भोजन करें, या जीवन का अनुभव साथ-साथ प्राप्त करें।
सहवीर्यं करवावहै	:	हम दोनों अर्थात् शिक्षक और छात्र, एक-साथ ज्ञान के क्षेत्र में कार्य करते हुए वीर्यवान् बनें अर्थात् असाध्य को साधने में उत्साह के साथ आगे बढ़ें।
तेजस्विनावधीतमस्तु	:	हम दोनों अर्थात् गुरु और शिष्य की यह पढ़ाई प्रकाशवान् बने। हमारी पढ़ाई हमें निर्मल ज्ञान को प्राप्त कराएँ।
मा विद्विषावहै	:	हम दोनों अर्थात् गुरु और छात्र आपस में द्वेष न करें।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः	:	भगवान की दया से हमारे आध्यात्मिक, आधिभौतिक और आधिदैविक तापों की शान्ति हो जाए।
संगच्छध्वम् संवदध्वम् संवोमनासि जानताम्	:	सब एक-साथ मिलें, एक तरह की भावनाओं को रखें, लोगो के मन अच्छी तरह समझ लें।
देवा भागं यथापूर्वे संजानाना उपासते	:	जैसे हमारे पूर्व, देवतापुरूष अपना-अपना भाग समझते हुए अंश ग्रहण करते हुए, आस-पास रहने लगे, तुम लोगों से भी वैसे ही अपेक्षा करें।
समानी वः आकूतिः समाना हृदयानि वः	:	तुम सब लोगों का समान संकल्प हो अर्थात् तुम सबके हृदय में समान आशय हो, तुम सबके मन समभाव धारण करें।
समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति	:	तुम सब लोगों के मन समान रूप धारण करें जिससे हम सब ठीक प्रकार से मिलजुल कर रहें।

संस्कृत प्रार्थना

दयां कृत्वा हि विद्याया: प्रभो ! दानं सदा देयम्।
सदास्माकं हि चित्तेषु दयस्व, शुद्धता नेया।
प्रभो ! आयातु न: ध्याने, वस नेत्रेष्वस्माकम्।
तमोयुक्तेषु हृदयेषु परा आभा समादेया।
प्रवाहय प्रेम्ण: स्नेहसिन्धुं च हृदयेषु
मिथ: सम्मिल्य वासस्य प्रभो शिक्षा सदा देया।
सदा न: कर्म स्यात् सेवा, सदा न: धर्म स्यात् सेवा
सदा शीलं हि स्यात् सेवा, विधेय: सेवकोऽहं ते।
भवेन्मे जीवनं देशाय तथा मरणं हि देशाय।
तदर्थं जीवनत्याग: प्रभो ! शिक्षा इयं देया ।।
दयां कृत्वा.....

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़ उत्कल बंग।
विंध्य हिमाचल, यमुना गंगा,
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशीष माँगे।
गाहे तव जय गाथा।
जन-गण मंगलदायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।
जय हे जय हे, जय हे,
जय-जय-जय-जय हे।

केन्द्रीय विद्यालय गीत

भारत का स्वर्णिम गौरव, केन्द्रीय विद्यालय लाएगा।
तक्षशिला, नालन्दा का इतिहास लौटकर आएगा ।।
शिक्षा उपवन के हम नये फूल, संस्कृति-सरिता के नये कूल।
हम ज्योति दीप जाग्रत प्रबुद्ध, हट जाओ तम के धूल-शूल ।।
'तमसो मा ज्योतिर्गमय' यह मन्त्र विश्व में छायेगा। भारत का.....
तन अनेक पर एक प्राण, स्वर अनेक पर एक गान।
हम कण-कण पर छा जायेंगे, बनकर भारत का स्वाभिमान ।।
'तत् त्वं पूषन् अपावृणु' यह छन्द, ज्योति बरसाएगा। भारत का.....
हम भविष्य, हम नये चरण, हम आशा की नई किरण।
हम नूतन निर्माण सखे, हम नया जोश, हम नई लगन ।।
मिलकर अपना कदम उठेगा, पथ मंजिल बन जायेगा। भारत का.....
समता के गीत गुंजाएँगे, ममता की लोरी गाएँगे।
हिमगिरि के सागर तट तक, हम एक प्राण हो जाएँगे ।।
प्रांत-प्रांत का हर बच्चा भारतवासी कहलाएगा। भारत का.....

गुजराती गीत

1. आकाश गंगा सूर्य चन्द्र तारा,
संध्या ऊषा कोई ना नथि।

✤ कोनि भूमि कोनि नदी कोनि सागर धारा,
भेद केवल शब्द आमारा ने तमारा।

✤ एज हास्य, एज रूदन, आशा ए निराशा,
एज मानव ऊर्मि, पण भिन्न भाषा।

✤ मेघधनु अन्दर ना होय कदी जंगो,
सुन्दरता काज वन्या विविध रंगों।

राष्ट्र गीत

वन्दे मातरम् वन्दे मातरम् ॥
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्।
शस्य श्यामलाम्, मातरम्
वन्दे मातरम् .....
शुभ्र ज्योत्स्नां पुलकित यामिनीम्।
फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वन्दे मातरम् .....

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्तां हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलिस्तां हमारा ॥
पर्वत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमां का।
वो संतरी हमारा, वो पासवाँ हमारा ॥
सारे .....

गोदी में खेलती हैं, जिसकी हजारों नदियाँ।
गुलशन है जिसके दम से, रश्के ज़िना हमारा ॥
सारे .....

मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिन्दी हैं हम, वतन हैं, हिन्दोस्तां हमारा ॥

हर देश में तू

हर देश में तू हर वेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है
तेरी रंगभूमि यह विश्व धरा,
सब खेल में मेल में तू ही तू है।
हर देश .....
सागर से उठा बादल बन के
बादल से फूटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदिया गहरी।
तेरे भिन्न प्रकार तू एक ही है ॥
हर देश .....
चींटी से भी अणु परमाणु बना,
सब जीव जगत का रूप लिया।
कहीं पर्वत वृक्ष विशाल बना,
सौन्दर्य तेरा तू एक ही है ॥
हर देश .....
यह विश्व दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड्या कहे कोई और ना दिखा,
बस मैं और तू सब एक ही है।।
हर देश .....

संगठन सूक्त

ओ३म् संगच्छध्वं संवदध्वं सं
वो मनासि जानताम् ॥
देवा भागं यथा पूर्वे, संजानाना उपासते ॥
समानी वः आकूतिः समाना हृदयानि वः।
समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति।

अणुव्रत गीत

नैतिकता की सुर-सरिता में जन-जन मन पावन हो।।
संयममय जीवन हो, संयममय जीवन हो ....
१. अपने से अपना अनुशासन, अणुव्रत की परिभाषा,
वर्ण, जाति या सम्प्रदाय से, मुक्त धर्म की भाषा।
छोटे-छोटे संकल्पों से, मानस परिवर्तन हो।।
संयममय जीवन हो, संयममय जीवन हो...
२. मैत्री-भाव हमारा सबसे प्रतिदिन बढ़ता जाए,
समता, सह अस्तित्व, समन्वय-नीति सफलता पाए।
शुद्ध साध्य के लिए नियोजित, मात्र शुद्ध साधन हो।।
३. विद्यार्थी या शिक्षक हो, मजदूर और व्यापारी,
नर हो नारी, बने नीतिमय जीवनचर्या सारी।
कथनी-करनी की समानता में, गतिशील चरण हो।।
४. सुधरे व्यक्ति, समाज व्यक्ति से, राष्ट्र स्वयं सुधरेगा,
"तुलसी" अणुव्रत सिंह नाद सारे जग में पसरेगा।
मानवीय आचार-संहिता में अर्पित तन-मन हो।।
संयममय जीवन हो, संयममय जीवन हो...

जय जन भारत.....

जय जन भारत जन मन अभिमत जनगण तंत्र विधाता।
जनगण तंत्र विधाता ॥
गौरव भाल हिमालय उज्ज्वल, हृदय हार गंगा जल
कटि विन्ध्याचल, सिंधु चरणतल, महिमा शाश्वत गाता ॥
जय जन भारत.....
हरे खेत लहरें नद निर्झर, जीवन शोभा उर्वर
विश्व कर्म रत, कोटि बाहुकर, अगणित पद ध्रुव पथ पर ॥
जय जन भारत.....
प्रथम सभ्यता ज्ञाता, साम ध्वनित गुण गाता
जय नव मानवता निर्माता, सत्य अहिंसा दाता
जय हे, जय हे, जय हे, शान्ति अधिष्ठाता....॥
जय जन भारत.....
जन गण तंत्र विधाता, जन गण तंत्र विधाता.....

संस्कृत गीत सरस्वती वन्दना

जय जय हे भगवति सुरभारति, तव चरणौ प्रणमामः।
नाद ब्रह्ममयी जय वागीश्वरि, शरणं ते गच्छामः।

त्वमसि शरण्या त्रिभुवन धन्या, सुर मुनि वंदित चरणा
नव रस मधुरा कविता मुखरा, स्मित रुचि रुचिरा भरणा।
जय जय.....

आसीना भव मानस हंसे, कुंद तुहिन शशि धवले।
हर जडतां कुरु बुद्धि विकासं, सित पंकज तनु विमले।
जय जय.....

ललित कलामयि ज्ञान विभामयि वीणा पुस्तक धारिणी।
मतिरास्तां नो तव पद कमले, अयि कुण्ठा विष हारिणी ॥
जय जय.....

समूह गीत

हम होंगे कामयाब-3 एक दिन-ऽऽ
हो हो मन में है विश्वास पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन-ऽऽ
होगी शान्ति चारों ओर-3 एक दिन,
हो हो मन में .....
होगी शान्ति.....
हम चलेंगे साथ-साथ, डाल हाथों में हाथ
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन-ऽऽ
हो हो मन में है विश्वास.....
हम चलेंगे साथ.....
नहीं डर किसी का आज
नहीं भय किसी का आज
नहीं डर किसी का आज के दिन-ऽऽ.....
हो हो मन में.....
नहीं डर किसी.....
हम होंगे.....

बंगाली गीत

धौनो धान्ये पुष्पे भौरा आमादेर एई वोशुन्धौरा।
ताहार माझे आछे देश ऐक शौकोल देशेरशेरा।
ओजे शौप्नो दिये तोईरी शेजे।
श्रुति दिये घेरा।
ऐमोन देशटि कोथाय खुजे पावेनाको तुमि।
ओजे शौकोल देशेर रानी शेजे।
आमार जौन्मोभूमि, शेजे आमार जौन्मोभूमि।
चौन्द्रो शुर्जो ग्रहो तारा कोथाय ऐमेन उजौल धारा।
कोथाय ऐमोन खैले तोड़ित ऐमोन कालो मेघे।
तारा पाखीर डाके घुमिये पौड़े पाखीर डाकें जेंगे।
ऐमोन देशटि।
एतो स्निग्धो नोदि काहार कोथाय ऐमोन धुधौ पहाड़।
कोथाय ऐमोन होरित खेत्रो आकाश तौले मेशे।
ऐमोन धानेर ओपोर ढेऊँ खेले जाय बाताश काहार देशे।
ऐमोन देशटि।
पुष्पे-पुष्पे भौरा शाखी कुँजे-कुँजे गाहे पाखी।
गुँजोरिया आछे ओलि पुँजे-पुँजे धेये।
तारा फूलेर ओपोर धुमिये पौड़े फूलेर मोधु खेये।
ऐमोन देशटि।
भायेर भायेर ऐतो स्नेहो कोथाय गेले पावे केहो।
ओमा तोमार चौरोन दुटि बोक्खे आमार धोरि।
आमार एई देशेते जोन्मो जैनो एई देशेतेई मोरि।
ऐमोन देशटि।

तेलेगु गीत

पिल्लारा-पापल्लारा, रेपटि भारत पौरूल्लारा
पेद्दलकें ओक दारिनि चूपे, पिन्नल्लारा पिल्लल्लारा
मी कन्नुल्लो पुन्नमि जाबिली उन्नाड-उन्नाडु पौंयुन्नाडु।
मी मनसुल्लो देवुडु उन्नाडु उन्नाडु अंतउन्नाडु
भारत मातुक मुद्दुल पापलु-मीरेले, मीरेलेमीरेले।
अम्मुक मौपै अन्तेलेनि प्रेमेले-
पिल्लारा-पापल्लारा.....
भारत देशम ओकटे इल्लु भारत मातुक (मीरें कल्ल)
जातिपताकुम पैकेमेरेसि जाति गौरवम कापाडेंडि।
बडिलो बयट्टा अन्ता कलिसि, भारतीयुले मेलगेंडि।
कन्याकुमारिकी कास्मीरानिकी अन्योन्यतनु पेन्यंडि
पिल्लल्लारा-पापल्लारा.....

मलयालम गीत

जन्मकारिणी भारतम्-कर्म मेदिनी भारतम्
नन्मलाम जनकोडितम अम्मयागिय भारतम्।
जन्मकारिणी.....
तलइल मन्यणि मामल चूड़िय तंगकिरीडवुम्,
उड़लिल सस्य श्यामल शाद्बल कोमल कन्युगवुम्।
कुलुत्तिल नाना नदिगल चात्तय पोन्मणि मालगलुम्,
जन्मकारिणी.....
काणुग-काणुग जन्म भुविन कोमल मलरमेनी।
जन्मकारिणी.....
नाना भाषागलमृतम पोलीयुम नावुम पंजिरियम,
नाना देशक्करडे नाना वेशतिन्नेलिम।
वीरपुरादन संस्कारत्तिन वेराद्म मण्णुम।
पारिल शांति वलत्तुम वृत्तियुम् अम्मदन नेट्टम।
जन्मकारिणी.....

ENGLISH SONG

We shall overcome, we shall overcome,
We shall overcome some day
Oh – O deep in our hearts, we do believe that
We shall overcome some day.
We shall live in peace, we shall live in peace,
We shall live in peace some day
Oh – O deep in our hearts, we do believe that
We shall live in peace, some day.
We'll walk hand in hand, we'll walk hand in hand,
We'll walk hand in hand some day.
Oh – O deep in our hearts, we do believe that
We'll walk hand in hand, some day.
We are not afraid, we are not afraid,
We are not afraid today,
Oh – O deep in our hearts we do believe that
We are not afraid today.

ENDORSEMENT

I have read all the rules and regulations of the school laid down in this diary and I am happy to co-operate with the Vidyalaya to see that the rules framed in the interest of my ward studying in Class _____ and section _____ are followed in letter and spirit. I shall make regular check of my ward's calendar and will take necessary remedial steps.

SPECIMEN SIGNATURE

Parent's / Guardian's Signature

Father		Photo
Mother		Photo
Local Guardian (if Any)		Photo
Pupil		Photo

IMPORTANT DATES FOR SPECIAL MORNING ASSEMBLY

Note :- These dates will be asked in G.K. exam.

April	07	-	World Health Day
	13	-	Baisakhi, Jalianwala Bath Tragedy
	14	-	Ambedkar Jayanti
	26	-	Birth Anniversary of Shivaji (Maratha King)
May	01	-	International Labour Day
	07	-	Rabindra Nath Tagore's Birthday
	08	-	Red Cross Day
	17	-	World Tele Communication Day
	21	-	Anti Terrorism Day
	29	-	Mt. Everest Day
	31	-	No Smoking Day
June	05	-	World Environment Day
	21	-	International Yoga Day
	26	-	International Day Against Drug Abuse
July	11	-	World Population Day
August	06	-	Hiroshima Day
	09	-	Quit India Day
	15	-	Independence Day
	20	-	Sadbhawana Divas
September	05	-	Teachers' Day
	08	-	World Literacy Day
	14	-	Hindi Divas
October	01	-	International Day of the elderly
	02	-	Gandhi Jayanti / Swachch Bharat
	08	-	Indian Air Force Day
	09	-	World Postal Day
	16	-	World Food Day
	24	-	U.N.O. Day
	30	-	Ekta Divas
November	14	-	Children's Day
	24	-	N.C.C. Day
December	01	-	World Aids Day
	04	-	Indian Navy Day
	07	-	Armed Forces Flag Day
	10	-	Human Right Day
	16	-	Vijay Diwas
	22	-	Mathematics Day
	23	-	Farmers' Day
January	05	-	Army Day
	23	-	Subhash Chandra Bose Birthday.
	26	-	Republic Day
	30	-	Martyrs' Day
February	28	-	National Science Day
March	08	-	International Women's Day
	15	-	World Consumer Right Day
	21	-	World Disabled Day, World Forestry Day
	22	-	World Water Day
	23	-	Shaheed Diwas

केन्द्रीय विद्यालय डोगरा लाइन्स, मेरठ कैण्ट

विशेषताएँ :

1. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद नई दिल्ली से सम्बद्ध।
2. कक्षा प्रथम में तीन व कक्षा दो से लेकर कक्षा दसवीं तक चार वर्गों वाले इस विद्यालय में हिन्दी और अंग्रेजी भाषा के माध्यम से पढ़ाया जाता है।
3. कक्षा ग्यारहवीं तथा बारहवीं में वाणिज्य एवं विज्ञान वर्ग की शिक्षा सुविधा उपलब्ध है।
4. नवीन संसाधनों से युक्त रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, भौतिकशास्त्र, संगणक एवं समाजोपयोगी उत्पादन प्रयोगशालाएँ हैं तथा कनिष्ठ कक्षाओं हेतु विज्ञान प्रयोगशाला भी उपलब्ध है।
5. ज्ञानवर्धक पुस्तकों के संग्रह से युक्त पुस्तकालय है।
6. विशाल क्रीड़ा–प्रांगण है।

लक्ष्य :

छात्र–छात्राओं को भारत के धर्मनिरपेक्ष प्रजातान्त्रिक स्वरूप के अनुकूल शिक्षा प्रदान कर उन्हें देश के भावी कुशल कर्णधार के रूप में गढ़ना तथा छात्र–छात्राओं को स्वाभिमानी भारतीय मानवतावाद के समर्थक बनाना और विकास के नये–नये प्रतिमान छूने की दिशा में प्रयासरत और सफल होने की ओर अग्रसर करना।

शिक्षा का प्रयोजन ही, स्वरूप परम्परा की रक्षा व सामाजिक समायोजन व व्यक्तित्व का चहुँमुखी विकास है।

प्रातः कालीन सभा :

प्रार्थना विश्वास की प्रति ध्वनि है। प्रातःकालीन सभा उस शक्ति का स्रोत है जो पूरे दिन विद्यालय में होने वाली गतिविधियों को ऊर्जा प्रदान कर विद्यार्थियों को कर्मरत रहने की प्रेरणा देती है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा निर्धारित प्रार्थना–जिसका प्रत्येक शब्द सार्थक है उसके गायन से विद्यार्थियों का तन मन पवित्र होता है।

प्रार्थना सभा में प्रतिज्ञा, सुविचार, देश–विदेश के समाचार, संस्कृत श्लोक (हिन्दी अनुवाद सहित), नैतिक–मूल्य–परक शिक्षा, काव्य–पाठ, प्रश्नोत्तरी, समूह–गान, जन्म दिवसीय शुभकामनाएँ, शरीरिक व्यायाम आदि कार्यक्रम होते हैं। विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा प्रतिभावान छात्रों को प्रतिभा–प्रदर्शन का अवसर मिलता है तो संकोची छात्रों का संकोच समाप्त हो, उसका आत्मविश्वास विकसित होता है।

पाठ्येतर सहगामी क्रिया कलाप :

पूरे सत्र भर चलने वाली पाठ्य सहगामी क्रियाएँ विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण एवं प्रेरक होती है इनके माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व, सहयोग, आत्मीयता, कलात्मकता एवं मौलिक सृजनात्मक क्षमता का विकास होता है।

विद्यार्थी का सम्पूर्ण व्यक्तित्व परिष्कार की भागीरथी में स्नान कर स्वस्थ प्रफुल्लित एवं चिन्तन क्षमता से युक्त होकर अग्रगामी होता है।

खेलकूद :

'स्वस्थ शरीर चेतन मस्तिष्क' की उक्ति को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में खेल–कूद, साहसिक अभियान एवम् व्यायाम को यथोचित स्थान दिया गया है। खेल भावना का विकास व सामाजिक समायोजन इस शिक्षा का लक्ष्य है।

इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु विद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। केन्द्रीय विद्यालय संगठन की नीति के तहत जो रष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिताएँ आयोजिता की जाती हैं उनमें विद्यालय के छात्र–छात्राएँ बढ़–चढ़ कर भाग लेते हैं। खेल–कूद में इस विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने खूब नाम कमाया है। रूचि की विभिन्नता को ध्यान में रखते हुए लगभग सभी प्रकार के खेलों की व्यवस्था है योगाभ्यास शिक्षा–पद्धति के गुणों को एकीकृत किया गया है।

व्यावसायिक शिक्षा की दिशा में सार्थक प्रयास :

व्यावसायिक शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए विद्यालय में नई शिक्षा नीति के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों की व्यवस्था की गई है। समाज उपयोगी उत्पादक कार्य के अन्तर्गत रूप–सज्जा (सौन्दर्य उन्नयन शिक्षा) मूर्ति कला, कत्थक नृत्य एवम् जूड़ो–कराटे के शिक्षण की व्यवस्था की गई है। पूरे वर्ष भर चलने वाले इन कलाओं के शिक्षण हेतु सुयोग्य प्रशिक्षकों को नियुक्त किया गया है।

इनके शिक्षण के द्वारा छात्रों के भविष्य को सँवारने का पूरा प्रयास किया गया है। बेरोजगारी से जूझने का सार्थक प्रयत्न सफलभूत होगा ऐसा हमारा विश्वास है। भविष्य में इस तरह के और भी पाठ्यक्रम चलाएँ जायेंगे। बच्चों का उत्साह इस दिशा में सकारात्मक संकेत दे रहा है।

पर्यावरण क्लब :

पृथ्वी माता पुत्रोऽहम 'पृथिव्याः' प्रकृति की सन्तान, पृथ्वी पुत्र माँ वसुन्धरा के उपकारों को हर क्षण स्मरण रखे इस ध्येय की पूर्ति हेतु पर्यावरण क्लब स्थापित किया गया है। इसके अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों द्वारा पर्यावरण के सन्तुलन के लक्ष्य को प्राप्त करने का निरन्तर प्रयास किया जाता है। प्रकृति के सूक्ष्म स्वरूप को समझने की क्षमता का विकास; उसके विराट सौन्दर्य की रक्षा एवं सभी प्राणियों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करना इस क्लब का अपेक्षित लक्ष्य है।

स्थापना :

केन्द्रीय विद्यालय डोगरा लाइन्स, मेरठ कैण्ट, केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा स्थापित विद्यालयों की प्रथम श्रृंखला की विभिन्न सुदृढ़ कड़ियों में से एक शक्तिशाली कड़ी है जो अपने शैशव काल से शनैः–शनैः विकास के सोपान चढ़ते हुए अपनी वर्तमान विशिष्ट अवस्था तक पहुँचा है, और आज आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किया जा रहा है।

केन्द्रीय विद्यालय : एक नज़र में

केन्द्रीय विद्यालय, डोगरा लाइन्स, मेरठ कैन्ट की स्थापना सन् 1965 में केन्द्रीय कर्मचारियों जिनके कि स्थानान्तरण होते रहते हैं इनके बच्चों के लिए समान पाठ्यक्रम के आधार पर शिक्षा हेतु की गई थी। तब से आज तक यह विद्यालय लगातार सफलता के पथ पर मील के पत्थर स्थापित करता जा रहा है। निः संदेह यह शैक्षिक एवं सहगामी क्रिया–कलापों के क्षेत्र में अपना उच्च सीन बनाता जा रहा है। केन्द्रीय विद्यालय को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य CBSE एवं NCERT जैसे संस्थानों से शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग करके केन्द्रीय विद्यालयों में नवाचार और प्रयोगात्मक कार्य को बढ़ावा देने के लिए और बच्चों में राष्ट्र–प्रेम और अनेकता में एकता की भावना को बढ़ावा देना है।

इस विद्यालय में हर कक्षा के चार–चार वर्गों को पूर्ण रूप से और प्रभावशाली ढंग से चलाने के लिए सम्पूर्ण आधारभूत ढ़ाँचा उपलब्ध है। यह विद्यालय प्रत्येक वर्ष उत्साहवर्धक परिणाम दे रहा है। इस विद्यालय में हरे–भरे उद्यान एवं मैदान विकसित किए गए हैं। हमारा विद्यालय भौतिक, रासायनिक, जीवविज्ञान एवं संगणक प्रयोगशाला एवं संसाधन कक्ष हर प्रकार की सुविधा से सुसज्जित हैं। कक्षा कक्ष, संगीत कक्ष, कार्यानुभव कक्ष और पुस्तकालय इस संस्था को चार चाँद लगा रहे हैं। जैसे हम किसी का चेहरा देखकर उसके मन की बात जान लेते हैं, वैसे ही हमारे विद्यालय के पुस्तकालय को देखकर हमारे विद्यालय के हर कार्य की अनुभूति हो जाती है क्योंकि यहाँ पर नई पुस्तकें ही नहीं वरन् पुरानी पुस्तकों को भी बड़े ही व्यवस्थित तरीके से विषयवार ढंग से रखा गया है। पुस्तकालय में हर क्षेत्र से संबधित चाहे वह धर्म, देश, शास्त्र इत्यादि से संबंधित क्यों न हो। विद्यार्थी और अध्यापक बड़े ही शांत चित्त से बैठकर अध्ययन करते नज़र आ सकते हैं।

के0वी0 डोगरा लाइन्स में नए भवन का निर्माण हुआ जिसमें विद्यार्थियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त निम्नलिखित विभाग संचालित हैं:

पुस्तकालय :

विविध पुस्तकों से युक्त तथा इंटरनेट (Wi-Fi) से युक्त पुस्तकालय।

भाषा–कक्ष :

अत्याधुनिक सुविधाओं एवं (Wi-Fi) से युक्त भाषा–कक्ष।

संगणक प्रयोगशाला :

विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूर्णतः वातानुकूलित एवं (Wi-Fi) से युक्त प्रयोगशाला जिसमें LCD प्रोजेक्टर भी लगा है।

गणित प्रयोगशाला :

यह कक्ष विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विविध शिक्षण सहायक सामग्रीयों एवं इंटरनेट से युक्त है।

योग कक्ष :

यह कक्ष कला संबंधी विविध गतिविधियों को संपन्न करने हेतु विविध आवश्यक सामग्रियों एवं इंटरनेट से युक्त है।

संसाधन कक्ष :

यह कक्ष विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूर्णतः वातानुकूलित एवं इंटरनेट से युक्त है जिसमें LCD प्रोजेक्टर भी लगा है।

To Parents

It is the joint responsibility of the parents and the Vidyalaya to work for the all round development of the children. Hence the role of parents is very vital in shaping and moulding the personality of the child. The parents are requested not only to co-operate in the Vidyalaya activities but also take initative to contribute their best. They should ensure that :

- The children are provided with the prescribed books, proper notebooks and required stationery.
- The school dues should be paid in time by 15th April, July, October and January.
- The children are regular and punctually come to school in neat and tidy uniform.
- Children devote sufficient time at home to prepare their lessons and complete home assignments.
- Positive values are inculcated in the children so that they respect the dignity of the Vidyalaya.
- In order to discuss any problem or for any query the parents are welcome to contact the Principal during the visiting hours from 11:00 a.m. to 12:00 p.m. on all working days.
- If the parents want to meet the class teacher or the concerned subject teacher in connection with their wards they may do so through the Principal on each working day immediately, after 8th periods of the Vidyalaya in staff room. For convenience prior telephonic confirmation with the teacher may kindly be sought for the proposed meeting.
- The parents are expected not to approach the staff of the Vidyalaya for private tuition as it is prohibited in Kendriya Vidyalayas.

प्रातः कालीन सभा के लिए प्रस्तावित क्रिया–कलाप

निम्नलिखित क्रिया–कलाप प्रतिदिन प्रातः कालीन सभा में संपन्न होनी चाहिए:

1. विद्यालय प्रार्थना
2. शपथ
3. उक्त दिवस के लिए विचार
4. उस दिन का समाचार
5. निम्नलिखित में से कोई एक या दो विशेष–कार्यक्रम :
   - (क) विधालय गीत
   - (ख) गीत / श्लोक / गान
   - (ग) समसामयिक विषय पर किसी भी छात्र / छात्रा द्वारा संक्षिप्त भाषण
   - (घ) नैतिक मूल्य / अनुशासन / स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर शिक्षकों द्वारा संक्षिप्त भाषण
   - (ङ) सद्भाव गीत
   - (च) विद्यालय के प्राचार्य / उप–प्राचार्य / समन्वयक द्वारा आवश्यक घोषणाएँ
   - (छ) छात्रों की वेशभूषा का निरीक्षण
6. राष्ट्रगान
7. प्रयाण गीत

GENERAL INFORMATION

Kendriya Vidyalayas are run by Kendriya Vidyalaya Sangathan under the Ministry of Human Resource Development, Department of Education with an endeavour to facilitate children of Central Government Employees, Defence personnel and employees of autonomus bodies who are liable to be transferred from one state to another state to receive uninterrupted educational facilities with easy accessibility to any Endriya Vidyalaya in any part of the country.

The school embodies some of the good features of Public School with emphasis on Indian culture and values without raising the cost of education.

MEDIUM :

The medium of instruction is bilingual. Mathematics and Science subjects are taught through English language and Social Studies through Hindi as well as English Language.

AFFILIATION :

The Vidyalaya is affiliated to the Central Board of Secondary Education, Preet Vihar, New Delhi and prepares students for the All India Secondary School (Class X) Examination and All Indian Senior Certificate (Class XII) Examination of the Board.

ACADEMIC YEAR :

The Academic year is from 1st April to 31st March.

ELIGIBILITY FOR ADMISSION :

(A) A child must be at least 5 years old on 31st March in the academic year in which admission is being sought for class I. For subsequent Classes, the eligible age would be reckoned again with reference to 31st March with a proportionate increase over 5 years.

(B) An upper age limit for admission is fixed as the minimum age limit plus 2 years.

वर्ष 2019 के दौरान छुट्टियों की सूची

क्र. सं.	छुट्टी का नाम	दिनांक	सप्ताह का दिन	अवकाश का प्रकार
1.	गणतंत्र दिवस	26.01.2019	शनिवार	अनिवार्य अवकाश
2.	गुरू रविदास जयंती	19.02.2019	मंगलवार	अनिवार्य अवकाश
3.	महाशिवरात्रि	04.03.2019	सोमवार	प्रतिबंधित अवकाश
4.	होलिका दहन	20.03.2019	बुधवार	अनिवार्य अवकाश
5.	होली	21.03.2019	गुरुवार	अनिवार्य अवकाश
6.	महावीर जयंती	17.04.2019	बुधवार	अनिवार्य अवकाश
7.	गुड फ्राइडे	19.04.2019	शुक्रवार	अनिवार्य अवकाश
8.	बुद्ध पूर्णिमा	18.05.2019	शनिवार	अनिवार्य अवकाश
9.	ईद–उल–फितर	05.06.2019	बुधवार	अनिवार्य अवकाश
10.	ईद–उल–जुहा (बकरीद)	12.08.2019	सोमवार	अनिवार्य अवकाश
11.	स्वतंत्रता दिवस	15.08.2019	गुरुवार	अनिवार्य अवकाश
12.	जन्माष्टमी	24.08.2019	शनिवार	अनिवार्य अवकाश
13.	मुहर्रम	10.09.2019	मंगलवार	अनिवार्य अवकाश
14.	महात्मा गाँधी जन्म दिवस	02.10.2019	बुधवार	अनिवार्य अवकाश
15.	दशहरा	08.10.2019	मंगलवार	अनिवार्य अवकाश
16.	करवा चौथ	17.10.2019	गुरुवार	प्रतिबंधित अवकाश
17.	दीपावली	27.10.2019	रविवार	अनिवार्य अवकाश
18.	गोवर्धन पूजा	28.10.2019	सोमवार	प्रतिबंधित अवकाश
19.	भाई दूज	29.10.2019	मंगलवार	प्रतिबंधित अवकाश
20.	मिलद–उन–नबी अथवा ईद–ए–मिलाद	10.11.2019	रविवार	अनिवार्य अवकाश
21.	गुरु नानक जयंती	12.11.2019	मंगलवार	अनिवार्य अवकाश
22.	क्रिसमस	25.12.2019	बुधवार	अनिवार्य अवकाश

अवकाश/ ब्रेक (Vacation & Breaks)

1.	ग्रीष्मकालीन अवकाश : 12.05.2018 (शुक्रवार) से 18.06.2019 (मंगलवार)	40 दिन
2.	शरद्कालीन अवकाश : 06.10.2019 (रविवार) से 15.10.2019 (मंगलवार)	10 दिन
3.	शीतकालीन अवकाश : 22.12.2019 (रविवार) से 10.01.2020 (शुक्रवार)	20 दिन

KENDRIYA VIDYALAYA DOGRA LINES, MEERUT CANTT.

LIST OF CLASS TEACHERS / CO-CLASS TEACHERS

SESSION 2019-20

S. No.	Class & Sec	Name of Class Teacher	Sign	Name of Co-Class Teacher	Sign
1	XII A	Mr. S. P. Singh		Mrs. Sarita Baratwal	
2	XII B	Mr. Pramod Kukreti		Mr. S. C. Sharma	
3	XII C	Mrs. Priyanka Gaurav		Mr. S. B. Giri	
4	XII D	Mrs. Pushpa		Mr. Satish Kumar	
5	XI A	Mr. Pintu Gautam		Mrs. Sarita Baratwal	
6	XI B	Mr. Rajeev Kumar		Mr. Vijit	
7	XI C	Mr. Anil Kumar		Mr. Satish Kumar	
8	XI D	Mr. Jugnu		Mr. S. B. Giri	
9	X A	Mrs. Amita Sharma		Mrs. Sushma Ahlawat	
10	X B	Mr. Dharmender Singh		Mrs. Sushma Patwal	
11	X C	Ms. Neelam Singh		Mr. Kanti Prasad	
12	X D	Mr. Narender Kumar		Mr. Sanjay Kumar Goel	
13	IX A	Mr. Sanjeev Yadav		Mrs. Sushma Ahlawat	
14	IX B	Mr. Rashid Hussain		Mrs. Sushma Patwal	
15	IX C	Mr. Gaurav Kumar		Mr. Kanti Prasad	
16	IX D	Mr. Satyapal Singh		Mr. Sanjay Kumar Goel	
17	VIII A	Mrs. Jyoti Sharma		Mrs. Sushma Ahlawat	
18	VIII B	Mrs. Karuna Sharma		Mrs. Sushma Patwal	
19	VIII C	Mrs. Vineeta Arya		Mr. Kanti Prasad	
20	VIII D	Mrs. Kavita Devi		Mr. Sanjay Kumar Goel	
21	VII A	Mrs. Usha Sharma		Mrs. Sushma Ahlawat	
22	VII B	Mr. Yogesh Vedi		Mrs. Sushma Patwal	
23	VII C	Mr. Sateyandra Sing		Mr. Kanti Prasad	
24	VII D	Mrs. Savitri Goyal		Mr. Sanjay Kumar Goel	
25	VI A	Mr. Shyama Charau		Mrs. Monika	
26	VI B	Mr. Hari Singh		Mrs. Monika	
27	VI C	TGT (S. Science)		Mrs. Monika	
28	VI D	Mrs. Indu Bhardwaj		Mrs. Monika	

KENDRIYA VIDYALAYA DOGRA LINES, MEERUT CANTT.

LIST OF CLASS TEACHERS / CO-CLASS TEACHERS

Primary Section Session 2019-20

S. No.	Class & Sec	Name of Class Teacher	Sign	Name of Co-Class Teacher	Sign
1	I A	Mrs. Alka Garg		Mrs. Radha	
2	I B	Mrs. Rachna		Mrs. alka Aggarwal	
3	I C	Mrs. Vandana		Mr. Dashrath	
4	I D	Mrs. Seema		Mrs. Manisha	
5	II A	Mrs. Meena		Mr. Ajay Yadav	
6	II B	Mrs. Anjali		Mr. Ajay Yadav	
7	II C	Mrs. Alpana		Mrs. P. Bali, Mr. M. Bharti	
8	II D	Mrs. Madhu		Mrs. P. Bali, Mr. M. Bharti	
9	III A	Mrs. Alka Aggarwal		Mrs. Alka Garg	
10	III B	Vacant (Kusum Tyagi)		Mr. Pankaj Garg	
11	III C	Ms. Preeti		Mrs. Sonali	
12	III D	Mrs. Sonali		Ms. Preeti	
13	IV A	Mrs. Radha		Mr. C. Singh	
14	IV B	Mrs. Anju		Mr. Pankaj	
15	IV C	Mr. Amarjeet		Mrs. Sangeeta	
16	IV D	Mrs. Manisha		Mr. Amarjeet	
17	V A	Mrs. Sangeeta		Mr. Gaurav	
18	V B	Mr. Gaurav		Mrs. Rachna	
19	V C	Mr. C. Singh		Mrs. Seema	
20	V D	Mr. Dashrath		Mrs. Vandana	

अभिभावकों के लिए

1. अपने बच्चे की अच्छी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए निम्नवत् सहयोग दें:
   (क) घर में पढ़ाई के लिए अच्छा माहौल बनाएँ।
   (ख) गृह–कार्य करने में बच्चे का मार्गदर्शन करें।
   (ग) उपयुक्त स्कूल–पोशाक, पाठ्य–पुस्तक और अभ्यास–पुस्तिका उपलब्ध कराएँ।
   (घ) शुल्क (फीस) निश्चित दिन में ही समय पर जमा करें।
2. विद्यार्थी दैनन्दिनी देखकर सुनिश्चित करें की बच्चा नियमित रूप से गृह–कार्य करता है।
3. दैनन्दिनी में दी गई टिप्पणियों को प्रतिहस्ताक्षरित करें।
4. विद्यालय सदैव आपका स्वागत करता है किन्तु कक्षा में आपकी उपस्थिति व्यवधान उत्पन्न कर सकती है अतः स्टाफ रूम में शिक्षकों से सम्पर्क करें।
5. बच्चे की अनुपस्थिति (छुट्टी) से पहले अवकाश स्वीकृत कराएँ तथा आधे दिन की छुट्टी न माँगे।
6. सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा साफ–सुथरी पोशाक में नियमित ढंग से स्कूल आए।
7. बच्चे को स्कूल न भेजें अगर उसे संक्रामक (छुआ–छूत की) बीमारी है।
8. सुनिश्चित करें कि बच्चे का स्कूल आना–जाना सुरक्षित एवं समय की पाबंदी से हो।
9. अभिभावक–शिक्षक सभा में अवश्य उपस्थित हों।
10. संचार के लिए पूर्ण आवासीय एवं कार्यालयी पता फोन नंबर सहित अवश्य हो।
11. ध्यान रखें कि बच्चा पाठ्य–सहगामी क्रियाओं में भाग ले।

प्रिय अभिभावकों! बच्चे हमसे सीखते हैं अतः हमें अनुकरणीय बनना होगा।

प्राचार्य

विद्यार्थियों के कर्त्तव्य

1. ज्ञान का अर्जन करें। शिक्षित और शिष्ट नागरिक बनें।
2. सभी विषयों की तैयारी समय पर करें। कक्षा कार्य, गृहकार्य पर ध्यान दें तथा इसकी जानकारी अपने माता–पिता को भी दें।
3. देश–प्रेम के प्रति गहन आस्था रखें, विद्यालय एवं परिवार के प्रति जिम्मेदार बरें।
4. आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाने वाली अभद्र भाषा, व्यवहार और कार्य को त्याग दें।
5. कक्षा में समय पर पहुँचें, पढ़े। अति आवश्यक हो तो ही अध्यापक से पूछकर कक्षा से बाहर जाएँ अन्यथा नहीं।
6. सदैव साफ और स्वच्छ स्कूल ड्रेस पहनें।
7. सभी के साथ प्रेम व सौहार्द्रपूर्ण व्यवहार करें। प्राचार्य, अध्यापक एवं अपने से बड़ों का सम्मान करें।
8. बूढ़े, कमजोर, बीमार व्यक्तियों तथा छोटे बच्चों की सदा मदद करें।
9. अपना आई–कार्ड, स्कूल डायरी, रिपोर्ट कार्ड की उपयोगिता कमझें। सँभाल कर रखें। पूछने पर प्रस्तुत करें।
10. दूसरों को उनके अच्छे कार्यों से पहचानना चाहिए न कि बाहरी सुन्दरता से, क्योंकि अच्छा कार्य और व्यवहार ही व्यक्ति की सही पहचान है।
11. स्कूल प्रांगण, कक्षा और अपने घर को साफ और सुन्दर बनाने में अपना सहयोग दें।
12. आलस्य का त्याग करें, समय पर काम करने की आदत डालें।
13. अपना पाठ स्वयं पढ़े, कठिनाइयाँ जानें तथा अध्यापक से समाधान पूछें।
14. प्राचार्य, अध्यापक एवं माता–पिता की आज्ञा का पालन करें।
15. अपने विद्यालय, घर व अपने सामान की देखभाल करें।
16. विद्यालय में पंक्तिबद्ध लाइन में ही जाएँ, सदा बाईं तरफ चलें।
17. उज्जवल भविष्य के लिए आज से ही परिश्रम करें।
18. अपना लक्ष्य निर्धारित करें, उसे पाने के लिए परिश्रम करें।
19. किसी भी बुरे व्यक्ति, बात या धारणा के आगे न झुकें।
20. अपनी भाषा, व्यवहार, विचार एवं कार्यों पर काबू रखें जिससे आप पर कोई अँगुली न उठे।
21. सभी बुरी बातों से बचें। न बुरा देखों, न बुरा सुनों, न बुरा बोलो।